कोटा में जेके लोन अस्पताल के ईसीजी टेक्नीशियन इंचार्ज ने घर पर आत्महत्या की

मौके पर एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें तीन जनों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है

कोटा, (निसं)। जेके लोन अस्पताल के ईसीजी टेक्नीशियन इंचार्ज ने शुक्रवार को रेलवे कॉलोनी थाना इलाके के महात्मा गांधी कॉलोनी स्थित अपने घर पर ही सुसाईड कर लिया। मौके पर एक सुसाईड नोट मिला है, जिसमें 3 जनो पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है, परिजन मृतक के शव को लेकर अस्पताल पहुंचे और मामले मे निष्पक्ष कार्यवाही की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि सतीश कुमार से डे और नाईट ड्यूटी करवाई जा रही थी। हंगामे की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों से समझाईश की। बाद में परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी है।

- **परिजन मृतक के शव को लेकर अस्पताल पहुंचे और मामले मे निष्पक्ष कार्यवाही की मांग को लेकर प्रदर्शन किया**
- **परिजनों का आरोप है कि सतीश कुमार से डे और नाईट ड्यूटी करवाई जा रही थी**

जानकारी के अनुसार रेलवे कॉलोनी इलाके के महात्मा गांधी कॉलोनी निवासी सतीश कुमार चांदसी ने घर पर ही फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना का पता उस समय लगा जब सतीश की पत्नी ने अपने पीहर से सतीश को फोन किया तो उसने फोन नहीं उठाया, जिस पर उसने पड़ोस में रहने वाली परिचित को फोन किया जिस पर वह मौके पर पहुंची तो सतीश को फंदे पर लटका देखा, बाद में युवक को उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक की पत्नी अस्पताल पहुंची, जेके लॉन अस्पताल परिसर में परिजनों ने मृतक के शव को रखकर प्रदर्शन किया और काफी देर तक गहमागहमी जैसा माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलने के बाद जेके लोन अस्पताल की चौकी से पुलिसकर्मी और बाद में पुलिस अधिकारी व रेलवे कॉलोनी व नयापुरा थाने से पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा और परिजनों से समझाइश की गई।

पुलिस उप अधीक्षक राजेश टेलर ने बताया कि घटनाक्रम रेलवे कॉलोनी थाना इलाके की महात्मा गांधी कॉलोनी में हुआ है, मृतक जेके लोन अस्पताल में ईसीजी टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत था, महात्मा गांधी कॉलोनी निवासी सतीश कुमार चांदसी (35) ने घर पर ही सुसाइड कर लिया, मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला है।

रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि मामले में मृतक के पास सुसाईड नोट मिला है जिसमें 3 जनों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगा गया है। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच पुलिस उपअधीक्षक राजेश टेलर द्वारा की जा रही है।

मामले में जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा का कहना है कि ईसीजी टेक्नीशियन के इंचार्ज सतीश कुमार के परिजन बॉडी लेकर अस्पताल आए थे, घटना पूरी तरह से दुर्भाग्यपूर्ण है इस संबंध में नर्सिंग अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी है। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि सतीश कुमार खुद इंचार्ज थे और उनके अधीन 6 ईसीजी टेक्नीशियन काम करते थे ऐसे में उनकी ड्यूटी लगाने का काम खुद करते थे फिर भी इस पूरे प्रकरण में जांच रिपोर्ट ले रहे हैं।

जोधपुर में बाइक की टक्कर से आरटीओ एजेंट की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर पुलिस थाना क्षेत्र आरटीओ के सामने बाइक सवार ने आरटीओ एजेंट को टक्कर मार दी। हादसे में घायल आरटीओ एजेंट की एमडीएम अस्पताल में मौत हो गई। इस बारे में उसके साले की तरफ से महामंदिर थाने में अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत शव परिजन को सौंपा। घटना गुरूवार की है।

महामंदिर थाने के एएसआई गणपत सिंह ने बताया कि मूलत: पीलवा, लोहावट हाल बीजेएस कॉलोनी निवासी बन्नेसिंह यहां आरटीओ में एजेंट था। वह गुरूवार को आरटीओ से अपने घर की तरफ पैदल जा रहा था। तब आरटीओ के सामने ही किसी बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया। बाद में उसे आसपास के लोगों की मदद से एमडीएम अस्पाल भेजा गया। मगर यहां पर उसकी मौत हो गई। एएसआई गणपतसिंह के अनुसार मृतक शरीर के बाहर कोई बड़ी चोट नजर नहीं आई, संभवत: सिर में स्लॉट बनने से उसकी मौत हो गई। बाइक सवार का पता लगाया जा रहा है। शव का पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया है। घटना को लेकर उसके साले धेलिया बाप फलोदी निवासी सुरेंद्र सिंह पुत्र मालम सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। अग्रिम अनुसंधान जारी है।

लोक सूचना अधिकारी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया

पाटन, (निसं)। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सूचनाएं निर्धारित समय पर उपलब्ध नहीं करवाना तथा द्वितीय अपील में राज्य सूचना आयोग की ओर से जारी आदेशों की पालना नहीं करना ग्राम पंचायत ठीकरिया के लोक सूचना अधिकारी को भारी पड़ गया। राजस्थान राज्य सूचना आयोग, जयपुर ने पांच अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए लोक सूचना अधिकारी विकास कुमार मीणा पर कुल 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

- **आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाएं उपलब्ध नहीं करवाने पर कार्रवाई की**
- **पांच प्रकरणों में 5-5 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित**

प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी बनवारी लाल जाट की ओर से ग्राम पंचायत ठीकरिया, पंचायत समिति नीमकाथाना से संबंधित सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत पांच अलग-अलग प्रकरण प्रस्तुत किए गए थे। इन मामलों में राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने 4 मई 2026 को संबंधित सूचनाएं उपलब्ध करवाने के आदेश जारी किए थे, लेकिन निर्धारित आदेशों के बावजूद परिवादी को सूचनाएं उपलब्ध नहीं करवाई गईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए आयोग ने 14 अक्टूबर को पांचों प्रकरणों में अलग-अलग 5-5 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की। इस प्रकार लोक सूचना अधिकारी पर कुल 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आयोग ने आदेश दिए हैं कि जुर्माने की राशि दोषी अधिकारी के वेतन से कटौती कर 30 दिवस के भीतर राजस्थान राज्य सूचना आयोग में जमा करवाई जाए।

चंबल नदी में कूदे युवक का सुराग नहीं लगा

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा स्थित सबमर्सिबल ब्रिज से गुरुवार शाम चंबल नदी में छलांग लगाने वाले युवक का घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। लापता युवक की पहचान रावतभाटा के आरपीएस निवासी 20 वर्षीय प्रिंस जयपाल पुत्र मनोज जयपाल के रूप में हुई है। शुक्रवार को भी सुबह से ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के गोताखोरों की संयुक्त टीमें नदी में लगातार सघन सर्च अभियान चला रही हैं, लेकिन देर शाम तक युवक का पता नहीं चल पाया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार शाम को प्रिंस जयपाल सबमर्सिबल पुलिया पर पहुंचा था और कुछ देर तक वहां शांत बैठा रहा। वहां मौजूद कुछ लोगों से उसने सामान्य बातचीत भी की,

- **लापता युवक की पहचान रावतभाटा के आरपीएस निवासी प्रिंस जयपाल के रूप में हुई**

लेकिन इसके कुछ ही देर बाद वह अपनी जगह पर जाकर बैठा और चप्पल उतारकर अचानक चंबल नदी के गहरे पानी में छलांग लगा दी।

युवक को नदी में कूदते देख मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया और तत्काल पुलिस प्रशासन को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और पुलिया के आसपास लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना के बाद गुरुवार देर रात तक एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के स्थानीय गोताखोरों ने नावों और आधुनिक उपकरणों की मदद से नदी में तलाश की, लेकिन अंधेरे और पानी के बहाव के कारण सफलता नहीं मिल सकी। रेस्क्यू ऑपरेशन को आसान बनाने और नदी के तेज बहाव को कम करने के लिए प्रशासन ने तत्काल पनबिजलीघर से छोड़े जा रहे 7,428 क्यूसेक पानी की निकासी को भी अस्थायी रूप से बंद करवाया। शुक्रवार सुबह एक बार फिर से रेस्क्यू अभियान तेज किया गया है। अब एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के साथ एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर मोर्चा संभाले हुए है।

राजधानी एक्सप्रेस की चपेट से युवक की मौत

हिंडौन स्टेशन पर प्लास्टिक की बोतलें इकट्ठा कर रहा था

हिंडौन सिटी, (निसं)। रेलवे स्टेशन की डाउन लाइन पर राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। उसकी पहचान दूसरे दिन हुई।

जीआरपी चौकी प्रभारी एएसआई जितेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान ताली निवासी बाबू सिंह (35), पुत्र भग्गो सिंह के रूप में हुई। उनके भाई भरत सिंह ने शव की पहचान की। शुक्रवार शाम पांच बजे जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखे शव का मेडिकल ज्यूरिस्ट ने पोस्टमॉर्टम किया। पुलिस के मुताबिक, युवक का शव ट्रैक पर मिला था। उसे जिला अस्पताल लाकर मोर्चरी में रखवाया गया था। पहचान के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया पर मृतक का हुलिया पोस्ट किया था। शुक्रवार को भरत सिंह और अन्य परिजनों ने उसकी पहचान की। परिजनों के मुताबिक, बाबू सिंह कचरा बीनने का काम करते थे और घटना के समय डाउन लाइन पर प्लास्टिक की बोतलें इकट्ठा कर रहा था। वह कई साल से गांव नहीं गया था और अविवाहित था।

- **परिजनों के अनुसार बाबू सिंह कई साल से गांव नहीं गया था और अविवाहित था**

घायल की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती इंद्रोका गांव में स्कूटी सवार व्यक्ति स्लीप होकर गिर गया। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। इस बारे में मृतक के परिजन की तरफ से सूरसागर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। सूरसागर पुलिस ने बताया कि वैष्णव नगर बीआर बिड़ला स्कूल के पास चौपासनी हाउसिंग बोर्ड के रहने वाले लक्ष्मण सुथार पुत्र रामजानी सुथार की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके बड़े पिता घेवरराम पुत्र सांगाराम सुथार स्कूटी लेकर इंद्रोका गांव से निकल रहे थे।

कोटा रेलवे स्टेशन पर शातिर को पकड़ा

कोटा, (निसं)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सतर्कता दिखाते हुए रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की जेब टटोलकर चोरी की फिराक में घूम रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पकड़े गये आरोपी के पास से चोरी के दो मोबाइल भी बरामद किये गये, जिनकी कीमत करीब 80 हजार रूपये बताई गई है। जांच में सामने आया कि आरोपी के विरुद्ध पहले से ही चोरी सहित विभिन्न अपराधों के 11 मामले दर्ज हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर स्थित बुकिंग के समीप मुसाफिर खाने में आरपीएफ टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति यात्रियों की जेबों में हाथ डालने का प्रयास करते दिखाई दिया। उसकी संदिग्ध गतिविधियां देखकर आरपीएफ टीम ने मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में उसने चोरी के इरादे से यात्रियों की जेब टटोलने की बात स्वीकार की।

मां-बेटे के शव बावड़ी में तैरते मिले

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। किशनगढ़ सिटी थाना अंतर्गत गांव सरगांव में घर से लापता मां व दो वर्षीय बेटे का शव पानी से भरी नाड़ी में तैरता हुआ मिला। मृतकों की पहचान सरगांव

- **मृतकों की पहचान सरगांव निवासी 26 वर्षीय ममता गुर्जर दो वर्षीय दिव्यांशु के रूप में हुई**

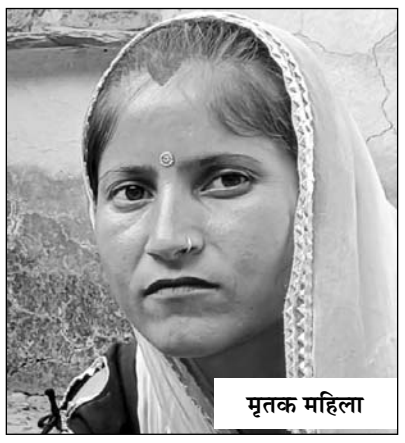
निवासी 26 वर्षीय ममता गुर्जर दो वर्षीय दिव्यांशु के रूप में हुई है। गुरुवार को दोपहर के समय दोनों घर से लापता हो गये। देवाराम गुर्जर के घर पहुंचने पर पत्नी व बेटा वहां नहीं मिले। संभावित ठोर ठिकानो पर तलाश किये जाने के बावजूद इन दोनों का कोई सुराग नहीं लग पाया। दूसरे दिन दोनों के शव मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए।

कथित झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन के बाद महिला की जयपुर में मौत

हिंडोली क्षेत्र के काछोला गांव में परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया तथा कार्रवाई की मांग की

बूंदी, (निसं)। हिंडोली क्षेत्र के काछोला गांव में कथित झोलाछाप डॉक्टर द्वारा लगाए गए इंजेक्शन के बाद एक महिला की तबीयत बिगड़ने और उपचार के दौरान जयपुर में मौत होने का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने संबंधित व्यक्ति पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए हिंडोली थाने में रिपोर्ट दी है तथा मामले में कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट में कराड़खेड़ी निवासी राजकुमार रैगर ने बताया कि 24 सितंबर को उनकी बड़ी बहन कौशल्या रैगर और जीजा चेतन रैगर को बुखार आने पर काछोला गांव में बबलू बंगाली से उपचार करवाया गया था। परिजनों का आरोप है कि उपचार के दौरान दोनों को इंजेक्शन लगाए गए, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और दोनों के कूल्हों में सूजन आ गई। परिजनों के अनुसार, 30 सितंबर को दोनों को बूंदी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया,



मृतक महिला

जहां करीब 10 दिन तक उपचार चला और सूजन के कारण ऑपरेशन भी किया गया। इसके बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उन्हें अन्य अस्पतालों में उपचार के लिए ले जाया गया। बाद में दोनों को कोटा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां भी उपचार के बाद 18 अक्टूबर से जयपुर में उपचार जारी था। इसके बाद कौशल्या रैगर को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां गुरुवार रात करीब दो बजे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद हिंडोली थाना पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल कथित झोलाछाप डॉक्टर पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारी की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

भीलवाड़ा : अस्पताल के पालना गृह में लावारिस नवजात बच्ची मिली

बाल कल्याण समिति ने नवजात बच्ची का काल्पनिक नाम 'दीया' रखा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के महात्मा गांधी चिकित्सालय परिसर स्थित पालना गृह में शुक्रवार को एक लावारिस नवजात शिशु प्राप्त हुई। पालना गृह का सायरन बजते ही अस्पताल प्रशासन ने संवेदनशीलता और मानवता का परिचय देते हुए नवजात को तत्काल नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. इंद्रा सिंह और नर्सिंग प्रभारी सुनील पोरवाल के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने तुरंत शिशु का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक गहन चिकित्सा उपचार प्रारंभ कर दिया है। डॉक्टरों के अनुसार, नवजात बच्ची का वजन 1 किलो 900 ग्राम है और फिलहाल उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।



बालिका को नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया।

घटना की जानकारी मिलते ही बाल कल्याण समिति (न्यायपीठ), भीलवाड़ा की अध्यक्ष चन्द्रकला ओझा एवं सदस्य विनोद राव ने मामले पर स्वत: प्रसंज्ञान लिया। समिति के पदाधिकारी तुरंत महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचे और एन.आई.सी.यू. में भर्ती नवजात के स्वास्थ्य का जायजा लिया। अध्यक्ष चन्द्रकला ओझा ने मौके पर मौजूद चिकित्सकों को निर्देशित किया कि नवजात को सभी आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं और समुचित देखभाल प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही चिकित्सा अधीक्षक को नवजात शिशु की 24 घंटे देखभाल सुनिश्चित करने के लिए विशेष यशोदा कर्मचारी तैनात करने के निर्देश दिए गए।

शुक्रवार के दिन पालना गृह में आने के कारण बाल कल्याण समिति ने नवजात बच्ची का काल्पनिक नाम दीया रखा है। शिशु की सुरक्षा के दृष्टिगत बाल कल्याण समिति ने सख्त रुख अपनाया है। किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत बच्ची की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर एन.आई.सी.यू. वार्ड में महिला पुलिस गार्ड तैनात करने की सिफारिश की गई है। बाल कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नवजात बच्ची के पूर्ण स्वस्थ होने के बाद उसकी सुरक्षा, संरक्षण और पुनर्वास हेतु कार्यवाही की जाएगी।

हैंगिंग ब्रिज पर कोटा-बूंदी के निजी वाहनों की मुफ्त यात्रा पर रोक लगी

कोटा, (निसं)। नेशनल हाइवे-27 पर स्थित हैंगिंग ब्रिज टोल प्लाजा पर कोटा और बूंदी के निवासियों के लिए नि:शुल्क निकलना बंद हो गया है। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सालाना टोल का पास लागू किया है। अब यहां से गुजरने वाले यात्रियों को या तो टोल देना पड़ेगा या फिर उन्हें सालाना पास बनवाना पड़ेगा। चंबल नदी पर हैंगिंग ब्रिज बनने के बाद कुन्हाड़ी, सकतपुरा व नांता इलाके में आना-जाना भी आसान हुआ है।

गौरतलब है कि नांता इलाका नए कोटा के रावतभाटा रोड की कॉलोनी से नजदीक है। यह हैंगिंग ब्रिज की वजह से ही है। ऐसे में कोटा शहर के दोनों हिस्से हैंगिंग ब्रिज की वजह से मिले हुए हैं। इसलिए कोटा के स्थानीय नागरिकों को यहां से फ्री निकाला जा रहा था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश पर ही यह व्यवस्था चल रही थी। अब अचानक से बंद होने से कोटा के निवासियों को परेशानी हो रही है। उन्हें या तो महंगा टोल देना पड़ रहा है या फिर सालाना पास की ट्रिप कटवानी पड़ रही है।

नांता स्थित रीको पर्यावरण इंडस्ट्रियल एरिया में फ्लाई ऐश ब्रिक फैक्ट्री संचालित करने वाले संजय शर्मा का कहना है कि उन्हें रोज फैक्ट्री आना-

- **नई टोल पॉलिसी आसपास के बीस किलोमीटर तक के दायरे के लिए ही बनाई गई है**
- **नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सालाना टोल का पास लागू किया है**
- **यहां से गुजरने वाले यात्रियों को या तो टोल देना पड़ेगा या फिर सालाना पास बनवाना पड़ेगा**

जाना पड़ता है, कभी-कभी दिन में दो बार जाना पड़ता है। ऐसे में चार ट्रिप हो जाती हैं। पहले वह निशुल्क निकल रहे थे, अब टोल देकर जाना पड़ता है। अब या तो दूसरे ज्यादा ट्रैफिक वाले रास्ते से निकलते हैं या फिर एनुअल पास से टोल का पैसा कट रहा है। कोटा दो हिस्सों में बसा हुआ है। एक हिस्सा कुन्हाड़ी इलाके में चंबल नदी पार है। दूसरा नदी के इस तरफ है। आबादी नदी के पार भी काफी हो गई है और कॉलोनियां बढ़ रही हैं। नया एयरपोर्ट भी शंभूपुरा इलाके में बन रहा है। वहीं कोटा विकास प्राधिकरण का काफी हिस्सा उधर भी है। वहां नई कॉलोनियां और ट्रांसपोर्ट नगर भी प्रस्तावित हैं। एयरोसिटी भी वहां बनाई जा रही है। ऐसे में लोगों का आना-जाना लगा रहेगा और हैंगिंग ब्रिज टोल प्लाजा से टोल देना भी उनके लिए चुनौती होगा।

नदी पार युवा विकास समिति के सदस्य और कुन्हाड़ी इलाके में रहने वाले अभिषेक मोतियानी का कहना है कि दशहरे मेले के समय नए कोटा में जाने के लिए हैंगिंग ब्रिज काफी मुफीद था क्योंकि गढ़ से सीएडी जाने वाला रास्ता जाम रहता था। कई बार त्योहारों के अवसर पर भी ऐसा होता है। वहीं नए कोटा की कॉलोनियों से शंभूपुरा-नांता इलाका काफी टच में है। वहां से काफी लोग आते-जाते हैं। इसलिए निशुल्क टोल शुरू रहना चाहिए था। हाइवे पकड़ने के लिए भी यहां से गुजरते हैं।

नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कोटा प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया कि एनएचएआई स्थानीय निवासियों को राहत देने के लिए एक टोल का 3000 रुपए सालाना पास लेकर आई है। यह नगरीय निकायों के अर्बन एरिया के लिए है जबकि ग्रामीण एरिया के लिए 1500 रुपए का पास है। इस पास को पूरे देश में लागू किया गया है। इसके बाद स्थानीय लोग इन पास के जरिए ही निकल सकते हैं। उनकी यात्रा इस पास से कट जाएगी। इसमें लगभग असीमित यात्राएं एक टोल प्लाजा से की जा सकती हैं, इसीलिए हैंगिंग ब्रिज टोल प्लाजा पर इस पास को भी लागू कर दिया है। आसपास 20 किमी में रहने वाले लोग इस पास से गुजर सकेंगे। एनएचएआई के सभी टोल पर लागू होने वाले 3075 रुपए के एनुअल पास के जरिए भी निकला जा सकता है। यह वार्षिक पास देशभर के टोल प्लाजा पर काम करता है। यहां से 200 बार निकला जा सकता है। ऐसे में हैंगिंग ब्रिज टोल प्लाजा से भी निकला जा सकता है। एक बार गुजरने पर एक ट्रिप कट जाएगी। जबकि 3000, 1500 और 360 का पास केवल एक टोल के लिए है। बिना पास के वर्तमान में हैंगिंग ब्रिज से निकलने पर एक ट्रिप के 85 रुपए और आने-जाने की यात्रा 24 घंटे में पूरी करने पर 125 रुपए देने पड़ते हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कराया अवगत :- चंबल नदी पर बने हैंगिंग ब्रिज से गुजरने वाले कोटा और बूंदी जिले के हजारों वाहन चालकों के लिए एनएचएआई ने एक नवंबर से स्थानीय नागरिकों को मिलने वाली 90 दिनों की निशुल्क पास सुविधा अचानक समाप्त कर दी है। इस सुविधा को निरंतर बहाल किए जाने को लेकर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पंकज मेहता ने भारत सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर कोटा बूंदी के लोगों को राहत प्रदान करने की मांग की है।

वहीं पंकज मेहता ने इस मामले को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का भी ध्यान आकर्षित किया है। मेहता ने बताया कि इस बदलाव से ब्रिज के टोल को पार करने वाली स्थानीय गाड़ियों के फास्टैग से प्रति चक्कर 85 रुपए तक कटने शुरू हो गए हैं, कोटा और बूंदी के पंजीकृत वाहनों को एक निर्धारित फॉर्म और कागजात जमा कराने पर 3 माह तक असीमित बार निशुल्क आवागमन की छूट मिलती थी, लेकिन मंत्रालय की नई गाईडलाईन का हवाला देते हुए टोल प्रबंधन ने इस रियायत को खत्म कर दिया, जो सरासर गलत है। पंकज मेहता ने कहा कि उन्होंने संदीप अग्रवाल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई से भी बात की है और पूर्व की भांति टोल में राहत देने के लिए कहा है। मेहता ने कहा कि आमजन को राहत प्रदान करने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

हिंडौन में दो भाइयों पर चाकू से हमला

हिंडौन सिटी, (निसं)। महवा मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे गुरुवार रात झगड़े के दौरान चाकू से दो भाईयों पर हमला हुआ। इसमें उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी दो सगे भाई घायल हो गए।

जिला ड्यूटी डॉक्टर मनोज जांगिड़ ने बताया कि घायलों की पहचान अजय कुमार (20) और उनके भाई कुलजीत (18) के रूप में हुई है। अजय के पेट में चाकू से गहरा घाव था। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। कुलजीत ने बताया कि रात में उनका परिवार रेलवे ओवरब्रिज के नीचे डेरे पर था। इस दौरान दूसरे डेरे के कुछ लोग आए और झगड़ा करने लगे कहासुनी के बाद हाथापाई हुई और दूसरे पक्ष ने चाकू से हमला कर दिया। कुलजीत के अनुसार दोनों पक्षों के बीच बच्चों के झगड़े को लेकर विवाद हुआ था। उनका परिवार खेल-तमाशा दिखाकर जीवनयापन करता है।

कार्यालय सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ़ सोसायटी एवं अधीक्षक सर पदमपत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान जयपुर

क्रमांक-एसपीआईएनपीएच/रामेरिसो/लेखा/निविदा/2026/5345 दिनांक-06/11/26

ई निविदा सूचना संख्या : 5344/06-11-2026

सदस्य सचिव एवं अधीक्षक सर पदमपत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान, जयपुर द्वारा अग्निशमन प्रणाली (फायरफाइटिंग सिस्टम) के लिए एक साल के व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (कॉम्प्रिहेन्सिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट) हेतु दो-चरणीय ई-निविदाएं (ई-बिड) आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत राशि रूपये 15 लाख है तथा निविदा की विस्तृत नियम व शर्तों की जानकारी उपापन पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाइट sppp.rajasthan.gov.in के UBN No. SMS2627SLOB00241 पर भी देखी जा सकती है।

DIPR/C/18340/2026 सदस्य सचिव एवं अधीक्षक

कार्यालय महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

कार्यालय का पता -सागररोड, एल.आई.सी.ऑफिस के सामने, बीकानेर-334002

Email ID -gmbikaner@rajasthan.gov.in / वेबसाईट-www.forest.rajasthan.gov.in

क्रमांक: एफ.9(03) ठेका-नीलामी/मप्र/2026/1477 दिनांक:- 10.11.2026

विशेष लकडी नीलामी विज्ञप्ति

सर्व साधारण विशेषण लकडी के व्यापारियों, प्लाई एवं पेपर मिलों को सूचित किया जाता हैं कि महाप्रबन्धक राजस्थान राज्य वन विकास लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर के क्षेत्राधीन विभागीय विक्रय केन्द्र, घड़साना पर इमारती तथा जलाऊ लकडी के 20 चट्टो का विक्रय खुली नीलामी दिनांक 17.11.2026 को प्रातः 10.00 बजे की जानी प्रस्तावित है। अतः इच्छुक क्रेतागण FMDSS पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के पश्चात् नियत तिथि व समय पर व्यक्तिशः उपस्थित होकर या मुद्रित पत्र पर अधिकृतकर अपने प्रतिनिधि को भेजकर अमानत राशि रूपये 25000/-(अखरे रूपये पच्चीस हज़ार मात्र) का डी.डी. महाप्रबन्धक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय बीकानेर के नामजद जमा करवाकर खुली नीलामी भाग ले सकते हैं। नीलामी की शर्ते व नियम FMDSS पोर्टल एवं विभागीय विक्रय केन्द्र पर किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

महाप्रबंधक
राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

राज.संवाद/सी/26/13137